परिशिष्ट – 1 Appendix

प्रश्नावली

(हिन्दी अध्यापकों के लिए)

निर्माता : **पी. चिन्नप्पा,** एम. ए., एम. एड.
शोधकर्ता, बड़ौदा विश्वविद्यालय, बड़ौदा

पथ-प्रदर्शक : **डॉ. एम. ए. कुरैशी**
प्रोफेसर, बड़ौदा विश्वविद्यालय, बड़ौदा

निवेदन

प्रिय महोदय,

आज हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा ही नहीं, बल्कि सम्पर्क भाषा भी है। इस भाषा के प्रचार एवं प्रसार की जिम्मेदारी प्रत्येक भारतवासी पर है। हिन्दी भाषा का ज्ञान प्राप्त करना और भावैक्यता को बनाये रखना भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने "त्रिभाषा सूत्र" को स्वीकार किया है। इसके अनुसार यहाँ की पढ़ाई तेलुगु माध्यम से होती है, हिन्दी द्वितीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है और अंग्रेजी अन्तर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में।

आंध्र प्रदेश सरकार केन्द्रीय सरकार का अनुदान प्राप्त करके हिन्दी का प्रचार एवं प्रसार ठीक ढंग से कर रही है। इस कार्य में हिन्दी प्रचार सभाएँ भी सचेत हैं।

इतना होते हुए भी आंध्र के छात्र हिन्दी में पिछड़े हुए हैं इसलिए सरकार हिन्दी के उत्तीर्णांकों को घटाती जा रही है। यह उचित नहीं है।

प्रस्तुत शोध कार्य में आंध्र प्रदेश के आंध्र प्रांत के छात्रों की समस्याओं एवं कठिनाइयों को दृष्टि में रखकर उनके हिन्दी के स्तर को उठाने के लिए सुझाव दिये जाते हैं।

अतः आपसे प्रार्थना है कि आप इस प्रश्नावली को पढ़कर अपने अमूल्य विचार प्रकट करें और इसे अति शीघ्र वापस भेजने का प्रयत्न करें।

आपका विश्वसनीय
पी. चिन्नप्पा
शोधकर्ता

विशेष सूचना

(1) इस प्रश्नावली को वे ही भरें जो आंध्र प्रांत के उच्च माध्यमिक कक्षाओं में 8 वीं कक्षा को हिन्दी पढ़ाते हैं।

(2) कृपया आवश्यक एवं सही उत्तर पर ही (√) का चिह्न लगाइए।

(3) "अन्य" स्थान पर अपना विचार प्रकट करें।

परिचय

कृपया आप अपने बारे में एवं अपने विद्यालय के बारे में सही जानकारी संक्षिप्त रूप में देने का प्रयत्न करें। जहाँ आवश्यक हो वहाँ इस (√) चिह्न के द्वारा उत्तर दें।

(1) अध्यापक का नाम

(2) आयु (   )   (3) पुरुष (   )   स्त्री (   )

(4) मातृभाषा

(5) विद्यालय का नाम

(6) माध्यम (Medium)

(7) संचालक : (जिसके द्वारा संचालित है उसके सामने यह चिह्न (√) लगाएँ—

(1) सरकार (   )   (2) नगरपालिका (   )   (3) निजी (   )

(4) जिला परिषद (   )   (5) सहायता प्राप्त (   )   (6) अन्य

(8) कहाँ स्थित है ? (Location)

गाँव / शहर का नाम

ताल्लुका का नाम

जिला—

(9) आपकी शैक्षिक योग्यता

(1) हाईस्कूल (   )   (2) पी. यू. सी. या इंटर (   )   (3) बी. ए. (   )

(4) एम. ए. (   )   (5) अन्य.....................

(10) विशेष योग्यता (हिन्दी में)

(1) हिन्दी विद्वान् (   )   (2) प्रवीण (   )   (3) साहित्य रत्न (   )   (4) अन्य.....................

(11) शैक्षणिक योग्यता

(1) हिन्दी पंडित (   )   (2) प्रचारक (   )   (3) बी. एड. (   )

(4) एम. एड. (   )   (5) अन्य.....................

(12) शैक्षिक अनुभव—(Teaching Experience)

(1) हिन्दी क्षेत्रों में (   ) वर्ष   (2) अहिन्दी क्षेत्रों में (   ) वर्ष

(13) द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण का अनुभव (   ) वर्ष

(14) आपको कभी हिन्दी प्रदेशों में रहने का अवसर मिला है ?

(1) हाँ (   )   (2) नहीं (   )   (3) यदि हाँ, तो कितने वर्ष (   )

(15) आप कुल (Total) कितनी भाषाएँ जानते हैं ? (√) चिन्ह के द्वारा निर्देश करें—

(1) तेलुगु (   )   (2) हिन्दी (   )   (3) अंग्रेजी   (4) उर्दू (   )

(5) तमिल (   )   (6) कन्नड़ (   )   (7) अन्य.....................

(16) आप किन-किन कक्षाओं को हिन्दी पढ़ाते हैं ? (√) चिन्ह के द्वारा निर्देश करें—

(1) 6 वीं (   )   (2) 7 वीं (   )   (3) 8 वीं (   )   (4) 9 वीं (   )   (5) 10 वीं (

(17) आपके विद्यालय में हिन्दी की कौन-सी पत्रिकाएँ आती हैं ?

(1) धर्मयुग (   )   (2) हिन्दुस्तान साप्ताहिक (   )   (3) नवनीत (   )   (4) अन्य

(18) आप हिन्दी पुस्तकों पर एक वर्ष में कितना खर्च करते हैं ?

(1) 10 रुपये (   )   (2) 25 रुपये (   )   (3) 50 रुपये (   )   (4) अन्य.....................

(19) आपकी सबसे अधिक समस्याएँ किस कक्षा को पढ़ाते समय आती हैं ?

(1) 8 वीं (   )   (2) 9 वीं (   )   (3) 10 वीं (   )

(20) हिन्दी में उत्तीर्ण होने के लिए छात्रों को कितने अंक प्राप्त करने चाहिए ?

(1) 25 प्रतिशत (   )   (2) 20 प्रतिशत (   )   (3) 35 प्रतिशत (   )

(4) 15 प्रतिशत (   )   (5) अन्य.....................

(21) गत तीत वर्षों से आठवीं कक्षा हिन्दी के उत्तीर्ण प्रतिशत क्या हैं ?

1973   1974   1975

(22) आप सप्ताह में हिन्दी शिक्षण के लिए कितने घण्टों का होना आवश्यक समझते हैं ?

(1) दो घण्टे (   )   (2) तीन घण्टे (   )   (3) चार घण्टे (   )

(4) 5 घण्टे (   )   (5) 6 घण्टे (   )   (6) अन्य

(23) तेलुगु भाषा भाषियों के लिए हिन्दी शिक्षण किस कक्षा से आरम्भ करना चाहिए ?

(1) 5 वीं (   )   (2) 6 वीं (   )   (3) 7 वीं (   )

(4) चौथी (   )   (5) अन्य.....................

(24) हिन्दी कक्षा में बालकों की संख्य कितनी होनी चाहिए ?

(1) 40 (   )   (2) 35 (   )   (3) 25 (   )

(4) 45 (   )   (2) अन्य.....................

भाग (अ)

निर्देश :— कृपया अपनी सम्मति इस (√) चिह्न के द्वारा प्रकट करें।

प्रश्न	हाँ	नहीं	संदिग्ध
(25) क्या हिन्दी ने भारत में राष्ट्रभाषा का सही स्थान प्राप्त किया है ?			
(26) क्या सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी व्यवहृत है ?			
(27) त्रिभाषा सूत्र का सही पालन आंध्र प्रदेश में हो रहा है?			
(28) क्या हिन्दी प्रचार एवं प्रसार में आंध्र प्रदेश सरकार की नीति स्पष्ट है ?			
(29) क्या आंध्र प्रदेश का शैक्षिक वातावरण हिन्दी के अनुकूल है ?			
(30) क्या आंध्र प्रदेश की सरकार ने हिन्दी को हर स्तर पर अनिवार्य बनाया है ?			
(31) क्या आंध्र प्रदेश के छात्रों को हिन्दी सीखने में कुछ प्रयोजन है ?			
(32) क्या आंध्र के छात्र हिन्दी को रुचि के साथ सीखते हैं ?			
(33) क्या आपके विद्यालय में आठवीं कक्षा के विद्यार्थी हिन्दी में कमजोर हैं ?			
(34) क्या छात्र हिन्दी भाषा को सुन कर समझ सकते हैं ?			
(35) क्या वे हिन्दी में वार्तालाप कर सकते हैं ?			
(36) क्या वे सस्वर वाचन कर सकते हैं ?			
(37) क्या आठवीं कक्ष के छात्र सरल तथा शुद्ध भाषा में अपने विचारों को लिख कर प्रकट कर सकते हैं ?			
(38) क्या छात्र संयुक्ताक्षर आदि शब्द लिखने में गलतियां करते हैं ?			
(39) तेलुगु छात्रों के लिए हिन्दी की लिंग व्यवस्था कठिन है ?			
(40) क्या तेलुगु छात्रों के लिए "ने" प्रत्यय के प्रयोग की समस्या है ?			
(41) क्या मिश्र वाक्य के प्रयोग में छात्रों को कठिनाई होती है ?			
(42) प्रारम्भिक स्तर पर हिन्दी शिक्षण ठीक नहीं होंना उच्च कक्षाओं के लिए हानिकारक है ?			
(43) आठवीं कक्षा के छात्र केवल हिन्दी में अनुत्तीर्ण हों तो उनको उत्तीर्ण मान कर 9 वीं कक्षा में बिठाते है ?			
(44) क्या इस अनुत्तीर्णता का कारण हिन्दी पाठ्य-क्रम का दोषपूर्ण रहना है ?			

	हाँ	नहीं	संदिग्ध
(45) 8 वीं कक्षा के हिन्दी का पाठ्यक्रम द्वितीय भाषा हिन्दी शिक्षा के उद्देश्यों के अनुरूप है ?			
(46) क्या पाठ्यक्रम छात्रों की आयु के अनुसार है ?			
(47) क्या आप 8 वीं कक्षा के पाठ्यक्रम में स्थानीय पुट को आवश्यक समझते हैं ?			
(48) क्या पाठ्यक्रम में भाषागत सभी कौशलों पर ध्यान दिया गया है ?			
(49) आप क्या इस पाठ्यक्रम में परिवर्तन चाहते हैं ?			
(50) क्या यह पाठ्यक्रम स्तरानुसार है ?			
(51) क्या आठवीं कक्षा की हिन्दी पुस्तक पाठ्यक्रम के अनुरूप लिखी गयी है ?			
(52) 8 वीं कक्षा की हिन्दी पुस्तक छात्रों के स्तर को दृष्टि में रख कर लिखी गयी है ?			
(53) क्या आंध्र प्रदेश में हिन्दी पाठ्य-पुस्तक के लेखक को तेलुगु जानना आवश्यक है ?			
(54) क्या आप इस कक्षा की पुस्तक में प्राचीन कविताओं का समावेश आवश्यक समझते हैं ?			
(55) क्या आठवीं कक्षा की पाठ्य पुस्तक का संकलन ठीक हुआ है ?			
(56) इस पाठ्य-पुस्तक में परिवर्तन की आवश्यकता है ?			
(57) क्या यह पाठ्य पुस्तक छात्रों के भाषाज्ञान को बढाने में सहायक है ?			
(58) क्या आठवीं कक्षा की पाठ्य-पुस्तक में तेलुगु संस्कृति एवं आचार-विचारों का पुट है ?			
(59) पाठ्य-पुस्तक छात्रों की रुचि, रुझान, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक आवश्यताओं के अनुरूप है ?			
(60) पाठ्य पुस्तक की रचना नवीन शिक्षण विधियों के अनुरूप हुई है ?			
(61) क्या द्वितीय भाषा हिन्दी शिक्षण की पद्धतियों का निर्णय हुआ है ?			
(62) क्या 8 वीं कक्षा के छात्रों को प्रत्यक्ष पद्धति से हिन्दी पढ़ाना उचित है ?			
(63) हिन्दी शिक्षण को रोचक बनाने के लिए सहायक सामग्री की आवश्यकता है ?			
(64) आपकी पाठशाला में हिन्दी के सहायक ग्रंथ उपलब्ध हैं ?			
(65) आंध्र प्रान्त में हिन्दी अध्यापकों की संख्या पर्याप्त हैं ?			
(66) आंध्र प्रान्त में हिन्दी निरीक्षणाधिकारी हैं ?			

भाग (क)

सूचना : आप अपना मत निम्नांकित प्रश्नों को पढ़ कर इस (√) चिह्न के द्वारा प्रकट करें। अगर आप एक से अधिक विचारों से भी सहमक हैं तो भी इस चिन्ह् का प्रयोग कर सकते हैं।

(67) हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने में क्या कठिनाई है ?

1 (अ) भारत सरकार ने इसको अनिवार्य नहीं बनाया है ( )

2 (आ) सभी प्रान्तीय सरकारें इसको अनिवार्य मानने में सहमत नहीं हैं। ( )

3 (इ) हिन्दी भाषा समृद्ध नहीं है। ( )

4. अन्य

(68) सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी व्यवहृत होने में क्या कठिनाई है ?

1 (अ) अंग्रेजी का प्रभाव जनता पर अधिक है। ( )

2 (आ) उच्च अधिकारी हिन्दी का ज्ञान नहीं रखते हैं। ( )

3 (इ) उच्च शिक्षा अंग्रेजी माध्यम से हो रही है। ( )

4 (ई) जनता राष्ट्रभाषा के महत्व को नहीं जानती है। ( )

(69) "त्रिभाषा" सूत्र के सही पालन में सरकार के सामने निम्नप्रकार की कठिनाई हैं ?

(1) केन्द्र सरकार हिन्दी के लिए पर्याप्त अनुदान नहीं देती है। ( )

(2) आंध्र सरकार हिन्दी के विकास के लिए विशेष बजट नहीं बनाती है। ( )

(3) हिन्दी की अपेक्षा सभी स्तरों पर तेलुगु का व्यवहार होता है। ( )

(4) अन्य

(70) हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार में आंध्र प्रदेश को सफलता नहीं मिली ? क्यों कि—

(1) आंध्र प्रदेश हिन्दी को प्रान्तीय विषय नहीं मानता है। ( )

(2) सरकार की आर्थिक-स्थिति ठीक नहीं है। ( )

(3) सरकार हिन्दी को विधिवत किसी पर लादना नहीं चाहती। ( )

(4) अन्य....................

(71) हिन्दीतर भाषाभाषियों को हिन्दी सीखने से विशेष लाभ नहीं है ? क्यों कि—

(1) हिन्दी आंध्र प्रदेश की द्वितीय भाषा है। ( )

(2) हिन्दी शिक्षण इस प्रान्त मे अनिवार्य नहीं है। ( )

(3) ~~अन्य~~ हिन्दी सीखने से नौकरी नहीं मिलती है।

(4) अन्य - - - -

(72) 8 वीं कक्षा के छात्र हिन्दी में कमजोर हैं ? क्योंकि—

(1) छात्रों को हिन्दी का वातावरण नहीं मिलता है। ( )

(2) छात्रों को हिन्दी सीखने से कोई लाभ नहीं होता। ( )

(3) छात्रों को हिन्दी सीखने के प्रति कोई रुचि नहीं है। ( )

(4) हिन्दी अध्यापक छात्रों को प्रोत्साहन नहीं देते हैं। ( )

(73) 8 वीं कक्षा को हिन्दी पढ़ाना कठिन कार्य है क्योंकि ( )

(1) आठवीं कक्षा से ही उच्चतर माध्यमिक कक्षाएं प्रारम्भ होती हैं। ( )

(2) प्रारम्भिक कक्षाओं में हिन्दी शिक्षण दोषपूर्ण है। ( )

(3) तीनों भाषाओं का भार इस कक्षा के छात्रों के लिए अधिक है। ( )
(4) अन्य

(74) हिन्दी में अनुत्तीर्ण होने पर भी छात्रों को उत्तीर्ण मान कर उच्च कक्षा में बिठाते हैं। क्यों कि—
(1) हिन्दी एक अनिवार्य विषय नहीं है। ( )
(2) हिन्दी में उत्तीर्ण होना आवश्यक नहीं है। ( )
(3) हिन्दी को उपयुक्त महत्व नहीं है। ( )
(4) एस. एस. सी. में हिन्दी के अंक कुल अंकों में नहीं मिलाते हैं। ( )

(75) हिन्दी के उत्तीर्ण अंकों को कम करने से छात्रों पर यह प्रभाव पड़ता है कि :
(1) छात्र हिन्दी पढने में रुचि नहीं लेते हैं। ( )
(2) हिन्दी में उत्तीर्ण होने को महत्व नहीं देते हैं। ( )
(3) हिन्दी में अधिक अंक प्राप्त करने के लिए प्रयत्न नहीं करते हैं। ( )
(4) उनके लिए हिन्दी अप्रमुख विषय बन जाता है। ( )

(76) आंध्र प्रांत में हिन्दी का वातावरण नहीं है क्योंकि—
(1) राज्यों के पुनर्गठन से पहले आंध्र प्रांत मद्रास राज्य में था। ( )
(2) उर्दू का प्रभाव आंध्र प्रांत में नहीं था। ( )
(3) मुसलमानों के शासन का प्रभाव आंध्र प्रांत पर अधिक नहीं था। ( )
(4) जनसाधारण की व्यावहारिक भाषा केवल तेलुगु ही थी। ( )

(77) हिन्दी को शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर अनिवार्य बनाने में यह कठिनाइयाँ हैं ?—
(1) केन्द्रीय सरकार ने अहिन्दी प्रांतों को यह आवश्वासन दिया है कि हिन्दी बलपूर्वक लोगों पर न थोपी जाएगी। ( )
(2) छात्रों की हिन्दी सीखने के लिए प्रोत्साहन नहीं दिया जा रहा है। ( )
(3) हिन्दी तथा तेलुगु भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन नहीं किया जाता है। ( )

(78) गत तीन वर्षों से आठवीं कक्षा के छात्रों के उत्तीर्ण प्रतिशत कम होने के ये कारण हैं ?
(1) छात्र हिन्दी सीखने के प्रति रुचि नहीं लेते हैं। ( )
(2) छात्रों को हिन्दी का वातावरण प्राप्त नहीं होता है। ( )
(3) हिन्दी सीखने से छात्रों को कोई लाभ नहीं है। ( )
(4) प्रारम्भिक कक्षाओं में अध्यापक हिन्दी सुचारु रूप से नहीं पढ़ाता है। ( )

(79) हिन्दी शिक्षा के लिए अधिक घण्टों (Periods) को देने पर यह कठिनाइयाँ होती है—
(1) हिन्दी के अध्यापक को सप्ताह में हिन्दी को छोड़कर 6 घण्टे अधिक काम करना पड़ता है। ( )
(2) हिन्दी अध्यापक दूसरे विषयों को पढ़ाने की योग्यता रखनी पड़ती है। ( )
(3) आंध्र सरकार हिन्दी को प्रान्तीय सरकार के बजट में शामिल करना है। ( )
(4) छात्र हिन्दी को विधिवत सीखे। ( )

(80) आंध्र प्रदेश में हिन्दी अध्यापकों की संख्या कम है क्योंकि—
(1) केन्द्रीय सरकार से पूरा अनुदान नहीं मिलता है। ( )
(2) प्रत्येक हिन्दी अध्यापक के लिए सप्ताह में 12 घंटों का काम नहीं मिलता है। ( )

(3) जूनियर हिन्दी अध्यापकों से सीनियर हिन्दी अध्यापकों का काम लिया जाता है । ( )

(4) सरकार हिन्दी शिक्षण के प्रति ध्यान नहीं देती है । ( )

(81) आंध्र प्रान्त में जब हिन्दी शिक्षण 6वीं कक्षा से आरम्भ होता है तब छात्रों के सामने निम्न प्रकार की कठिनाइयाँ उपस्थित हो सकती हैं ?

(1) छात्रों को मातृभाषा का पर्याप्त ज्ञान नहीं होता है । ( )

(2) छात्रों को हिन्दी का वातावरण नहीं मिलता है । ( )

(3) छात्रों की द्वितीय भाषा सीखने की शारीरिक एवं मानसिक आयु नहीं होती है । ( )

(82) हिन्दी कक्षा में छात्रों की संख्या अधिक होने से ये कठिनाइयां होती हैं—

(1) छात्र पाठ को नहीं समझ सकते हैं । ( )

(2) अध्यापक छात्रों का अवधान पाठ की ओर ले जाने में सफल नहीं होता है । ( )

(3) छात्र व्यक्तिगत कठिनाइयों को अध्यापक के सामने न ीं रख सकते हैं । ( )

(4) छात्र पाठ को सुनने में रुचि नहीं लेते हैं । ( )

(83) आठवीं कक्षा का पाठ्यक्रम द्वितीय भाषा शिक्षण के उद्देश्यों के अनुरूप नहीं है क्योंकि—

(1) पाठ्यक्रम द्वितीय भाषा शिक्षण के उद्देश्यों के अनुरूप नहीं लिखा गया है । ( )

(2) हिन्दी का पाठ्यक्रम केवल अंग्रेजी पाठ्यक्रम का अनुवाद मात्र ही है । ( )

(3) पाठ्यक्रम निर्माण के विद्वान् तेलुगु तथा हिन्दी भाषाओं का तुलनात्मक ज्ञान नहीं रखते हैं । ( )

(4) अनुभवी हिन्दी अध्यापकों के अनुभव की सहायता नहीं ली जाती है । ( )

(84) पाठ्यक्रम आठवीं कक्षा के छात्रों के मानसिक आयु के अनुरूप नहीं है क्योंकि—

(1) पाठ्क्रम का निर्माण केवल विदेशी भाषा शिक्षण के सिद्धान्तों के अनुसार किया गया है । ( )

(2) पाठ्यक्रम में विविधता नहीं है । ( )

(3) निर्दिष्ट भाषा सूत्रों के आधार पाठ्यक्रम का निर्माण नहीं हुआ है । ( )

(4) पाठ्यक्रम में हिन्दी की मानसिक आयु (Mental Age) को स्थान नहीं दिया गया है । ( )

(85) पाठ्यक्रम में स्थानीय पुट को आवश्यक माना जाता है क्योंकि

(1) भाषा सीखने में कठिनाई नहीं होती है । ( )

(2) भाषा को रुचि के साथ सीख सकता है । ( )

(3) छात्रों को तुलनात्मक अध्ययन करने का मौका मिलता है । ( )

(86) 8वीं कक्षा के हिन्दी पाठ्यक्रम में भाषागत सभी कौशलों पर ध्यान नहीं दिया गया है क्योंकि—

(1) भाषागत सभी विषयों का ध्यान पूर्ण रूप से नहीं रखा गया है । ( )

(2) पाठ्यक्रम निर्माण में विषय का महत्व अधिक दिया गया है । ( )

(3) 8 वीं कक्षा के पाठ्यक्रम में भाषागत विषयों का स्तरीकरण (Gradation) नहीं है । ( )

(4) अन्य....................

(87) 8 वीं कक्षा की हिन्दी पुस्तक छात्रों के स्तर के अनुरूप नहीं है क्योंकि

(1) स्तरानुकूल मानक शब्दों का निर्णय नहीं हुआ है । ( )

(2) हिन्दी शिक्षण के उद्देश्यों में क्रम नहीं है । ( )

(3) छात्रों की मानसिक आयु का मापन नहीं किया गया है । ( )

(4) भाषा शिक्षण के निर्दिष्ट उद्देश्यों को सामने नहीं रखा गया है । ( )

(88) 8वीं कक्षा की पाठ्य-पुस्तक, पाठ्यक्रम के अनुसार न होने के ये कारण हैं—

(1) लेखक हिन्दी शिक्षण के उद्देश्यों से अपरिचित हैं। ( )

(2) पाठ्य-पुस्तक की प्रामाणिकता पर ध्यान नहीं दिया गया है। ( )

(3) पाठ्यक्रम के उद्देश्य संदिग्ध हैं। ( )

(4) पाठ्य-पुस्तक चयन-समिति में अनुभवी अध्यापकों को स्थान नहीं दिया गया है। ( )

(89) 8 वीं कक्षा की हिन्दी पुस्तक की बाहरी सजावट आकर्षक नहीं है क्योंकि—

(1) प्रकाशक बाहरी आकर्षण के प्रति जागरूक नहीं है। ( )

(2) प्रकाशकों को आर्थिक कठिनाई होती है। ( )

(3) उन्हें शिक्षा मनोविज्ञान का ज्ञान नहीं है। ( )

(4) अच्छे चित्रकार उपलब्ध नहीं हैं। ( )

(90) आंध्र प्रदेश के हिन्दी पाठ्य-पुस्तक के लेखक को तेलुगु जानना आवश्यक है क्योंकि—

(1) छात्रों को तेलुगु एवं हिन्दी का तुलनात्मक ज्ञान मिल सके। ( )

(2) छात्रों को दो विभिन्न संस्कृतियों का परिचय दे सके। ( )

(3) छात्रों के तेलुगु एवं हिन्दी स्तर को दृष्टि में रखकर पुस्तक का निर्माण कर सके। ( )

(4) छात्रों के संभावित हिन्दी स्तर की कल्पना कर सके। ( )

(91) 8 वीं कक्षा की हिन्दी पुस्तक में प्राचीन कविताएँ न हों क्योंकि—

(1) इन कविताओं को समझना छात्रों के लिए कठिन होता है। ( )

(2) ये कविताएँ छात्रों की ज्ञान परिधि से बढ़कर होती है। ( )

(3) गंभीर तथा दार्शनिक कविताओं के प्रति छात्र रुचि नहीं लेते हैं। ( )

(4) प्राचीन कविताएँ छात्रों के रसास्वादन के लिए अनुपयोगी हैं। ( )

(92) 8 वीं कक्षा की पुस्तक में पाठों का चयन ठीक नहीं है क्योंकि—

(1) उसके पाठ विषय पर आधारित हैं। ( )

(2) उसकी भाषा में एकरूपता नहीं है। ( )

(3) आवश्यक अभ्यास नहीं दिये गये हैं। ( )

(4) भाषा कौशल पर ज़ोर नहीं दिया गया है। ( )

(93) 8 वीं कक्षा की हिन्दी पुस्तक को बदलना आवश्यक है क्योंकि

(1) यह पुस्तक पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के अनुरूप नहीं है। ( )

(2) इस पुस्तक में मानक शब्दों का प्रयोग नहीं है। ( )

(3) सभी पाठ निबन्धात्मक हैं। ये पाठ बालक की रुचि को बढ़ाने में विफल हैं। ( )

(4) उसमें भाषा सम्बन्धी अभ्यासों का अभाव है। ( )

(94) 8 वीं कक्षा की पाठ्य पुस्तक छात्रों के भाषा ज्ञान के विकास में क्यों उपयोगी नहीं है—

(1) लेखक विषय ज्ञान की ओर ध्यान दिये थे। ( )

(2) अभ्यासों में छात्रों के भाषा ज्ञान से सम्बन्धित प्रश्न नहीं है। ( )

(3) बहुत पाठ निबन्धात्मक हैं। ( )

(4) भाषा ज्ञान की दृष्टि में रखकर पाठ नहीं लिखे गये हैं। ( )

(95) हिन्दी पाठ्य पुस्तक में तेलुगु संस्कृति एवं आचार-विचारों का सयावेश होना आवश्यक है क्योंकि—

(1) छात्र नयी भाषा के द्वारा अपनी सस्कृति एवं आचार-विचारों को जान कर उस भाषा को पढ़ना चाहते हैं। ( )

(2) छात्रों को विषय जानने में मदद मिलती है। ( )

(3) छात्रों को हिन्दी के प्रति रुचि उत्पन्न होती है। ( )

(96) 8 वीं कक्षा की पाठ्य पुस्तक छात्रों की रुचि, रुझान, मनोविज्ञान एवं सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है क्योंकि

(1) पाठ्यक्रम के निर्माण में इन बातों पर ध्यान नहीं दिया गया है। ( )

(2) पाठ्यक्रम के निर्माण में प्रथम एवं द्वितीय भाषा के उद्देश्यों का सही स्पष्टीकरण नहीं है। ( )

(3) अलग-अलग लेखों का चयन किया गया है। ( )

(97) 8 वीं कक्षा के छात्र हिन्दी को प्रत्यक्ष पद्धति के द्वारा क्यों नहीं समझ सकते हैं ?

(1) पाठशालाओं में हिन्दी का वातावरण नहीं है। ( )

(2) आधारभूत शब्दावली का अभाव है। ( )

(3) छात्र हिन्दी ध्वनियों से परिचित नहीं हैं। ( )

(4) पाठ्य पुस्तकों का चयन इसको ध्यान में रखकर नहीं किया गया है। ( )

(98) प्रारम्भिक कक्षाओं में हिन्दी शिक्षण सुचारू रूप से नहीं होता है क्योंकि—

(1) इन कक्षाओं में हिन्दी शिक्षण पर कम ध्यान दिया जाता है। ( )

(2) इन कक्षाओं में छात्रों को केवल वर्णमाला का ही ज्ञान दिया जाता है। ( )

(3) अध्यापक शिक्षण पद्धतियाँ नहीं जानते हैं। ( )

(4) इन कक्षाओं में छात्रों की रुचि एवं रुझान की ओर ध्यान नहीं दिया जाता है।

(99) भाषा शिक्षण में सहायक सामग्री की आवश्यकता है क्योंकि— ( )

(1) सहायक सामगी की सहायता ~~न लेने~~ से बालकों को दिया जाने वाला ज्ञान अस्पष्ट हो जाता है। ( )

(2) अध्यापन रोचक होता है। ( )

(3) छात्रों के अवधान को केन्द्रित करने के लिए सहायक सामग्री उत्तम साधन है। ( )

(4) अन्य..............................

(100) 8 वीं कक्षा के बालक हिन्दी को सुनकर समझने में विफल होते हैं क्योंकि—

(1) छात्रों को हिन्दी सुनने का मौका नहीं मिलता है। ( )

(2) हिन्दी का व्यवहार घर में नहीं होता है। ( )

(3) अध्यापक हिन्दी माध्यम से नहीं पढ़ाता है। ( )

(4) छात्र हिन्दी ध्वनियों से परिचित नहीं है। ( )

(101) 8 वीं कक्षा के छात्र हिन्दी में वार्तालाप नहीं कर सकते हैं क्योंकि—

(1) कक्षा में वार्तालाप का अभ्यास नहीं किया जाता है। ( )

(2) हिन्दी का शिक्षण तेलुगु माध्यम से होता है। ( )

(3) समाज में भी हिन्दी का प्रयोग नहीं होता है। ( )

(4) हिन्दी का वातावरण घर में नहीं मिलता। ( )

(102) 8 वीं कक्षा के बालक सस्वर वाचन नहीं कर सकते हैं क्योंकि—

(1) अध्यापक छात्रों को सस्वर वाचन का अभ्यास नहीं कराना। ( )

(2) छात्र हिन्दी ध्वनियों से परिचय प्राप्त नहीं करना। ( )

(3) हिन्दी सस्वर वाचन में तेलुगु ध्वनियों का व्याघात पहुँचना। ( )

(4) अध्यापक का आदर्श वाचन शुद्ध एवं अनुकरणीय नहीं होना। ( )

(103) 8 वीं कक्षा के छात्र अपने विचारों को लिख कर प्रकट नहीं कर सकते हैं क्यों कि—

(1) हिन्दी ध्वनियों का ज्ञान कम होना। ( )

(2) हिन्दी वाक्या संरचना का ज्ञान कम रहना। ( )

(3) हिन्दी व्याकरण का ज्ञान न रहना। ( )

(4) भाषा प्रकट करने की प्रक्रिया न जानना। ( )

(104) मातृभाषा का प्रभाव सबसे अधिक हिन्दी भाषा के इस पक्ष पर पड़ता है ? यह चिह्न (√) लगाइए—

(1) उच्चारण ( ) (2) वर्तनी ( ) (3) अनुतान ( )

(4) व्याकरण ( ) (5) शैली ( ) (6) अन्य.........................

(105) तेलुगु भाषा भाषी छात्र संयुक्ताक्षर लिखने में गलतियाँ करते हैं ?

(1) तेलुगु के छात्र शब्द के पूर्ण रूप का उच्चारण करके लिखते हैं। ( )

(2) हिन्दी के ध्वनि विज्ञान का ज्ञान नहीं रखते हैं। ( )

(3) दोनों की ध्वनि प्रक्रिया मालूम न होने के कारण हिन्दी में गलतियां होती हैं। ( )

(4) अन्य......................... ( )

(106) तेलुगु भाषा-भाषियों के लिए हिन्दी की लिंग व्यवस्था कठिन है क्योंकि—

(1) तेलुगु में तीन और हिन्दी में केवल दो ही लिंग हैं। ( )

(2) ~~नपुंसक लिंग~~ अप्राणिवाचक के शब्दों की लिंग-निर्णय में गलती होती है। ( )

(3) हिन्दी में लिंग निर्णय प्राय: रूप के आधार पर होता है। ( )

(4) कर्तृकारक बहुवचन का रूप शब्द के लिंग पर आधारित रहता है। ( )

(107) तेलुगु-भाषियों के लिए "ने" प्रत्यय के प्रयोग में कठिनाई है।

(1) तेलुगु में "ने" प्रत्यय से मिलती जुलती विभक्ति नहीं है। ( )

(2) "ने" के प्रयोग के अनेक नियम एवं अपवाद हैं। ( )

(3) "ने" प्रत्यय का प्रयोग तेलुगु छात्रों को संदिग्ध में डाल देता है। ( )

(4) अन्य..................... ( )

(108) मिश्र वाक्यों का प्रयोग तेलुगु छात्रों के लिए क्यों कठिन है ?

(1) तेलुगु की वाक्य रचना सरल है। ( )

(2) हिन्दी में मिश्रित एवं संयुक्त वाक्यों का प्रयोग अधिक है। ( )

(3) हिन्दी वाक्य रचना का ज्ञान पर्याप्त न होने के कारण। ( )

(4) अध्यापक प्रारम्भिक कक्षाओं में इसका अभ्यास नहीं कराते हैं। ( )

(109) तेलुगु भाषा-भाषियों को हिन्दी तथा तेलुगु की समानताएँ एवं असमानताएँ बताना आवश्यक है क्योंकि —

(1) इसलिए कि छात्रों को दोनों भाषाओं की प्रकृति से परिचय प्राप्त करता है। ( )

(2) हिन्दी सीखने में आसानी होती है। ( )

(3) दोनों भाषाओं का सांस्कृतिक परिचय प्राप्त ~~करते~~ होता हैं। ( )

(4) अन्य.........................

(110) हिन्दी अध्यापक की दशा संतोषजनक नहीं है क्योंकि—

(1) अधिकारी हिन्दी अध्यापकों की आवश्यकताओं की ओर ध्यान नहीं देते हैं। ( )

(2) प्रधानाध्यापक हिन्दी को अप्रमुख विषय मानते हैं। ( )

(3) हिन्दी अध्यापकों को प्रधानाध्यापक की पदवी नहीं दी जाती है। ( )

(4) हिन्दी अध्यापकों का वेतन केन्द्रीय सरकार के अनुदान पर निर्भर है। ( )

	हाँ	नहीं	संदिग्ध
(131) 8 वीं कक्षा के पाठ्यक्रम को छात्रों के स्तर के अनुरूप रहने के लिए आधारभूत शब्दों का निर्माण होना चाहिए ।			
(123) 8 वीं कक्षा की हिन्दी पाठ्यपुस्तक स्तरानुसार होनी चाहिए और पाठ्यक्रम के उद्देश्यों की पूर्ति पूर्ण रूप से कर सके ।			
(133) 8 वीं कक्षा की पुस्तक आकर्षक हो और उसमें संदर्भानुसार अच्छे चित्रों का समावेश होना चाहिए ।			
(134) 8 वीं कक्षा की हिन्दी पुस्तक नूतन विधियों के अनुरूप होना चाहिए ।			
(135) छात्रों की मातृभाषा का प्रभाव हिन्दी पर किस प्रकार पड़ता है इसको जानने के लिए आंध्र प्रदेश के हिन्दी अध्यापक को तेलुगु जानना आवश्यक है ।			
(136) 8 वीं कक्षा की हिन्दी पुस्तक में प्राचीन कविताओं को स्थान नहीं देना चाहिए ।....			
(137) 8 वीं कक्षा की हिन्दी पुस्तक में भाषा-कौशल सम्बन्धी पाठ अधिक होने चाहिए ।....			
(138) 8 वीं कक्षा की पुस्तक पाठ्यक्रम के अनुरूप न होने के कारण उसको बदलता आवश्यक है ।			
(139) 8 वीं कक्षा की पुस्तक में भाषा सम्बन्धी ज्ञान के विकास में उपयोगी नहीं है । इस में भाषा सम्बन्धी अभ्यासों का अभाव है ।			
(140) छात्र हिन्दी भाषा को सीखने में रुचि एवं रुझान को दिखाने के लिए हिन्दी पाठ्य-पुस्तक में तेलुगु संस्कृति एवं आचार विचारों का समावेश होना आवश्यक है ।			
(141) पाठ्य पुस्तक का निर्माण मनोविज्ञान के आधार पर होना चाहिए और इस में सामाजिक आवश्यकताओं को भी स्थान देना चाहिए ।			
(142) हिन्दी भाषा शिक्षण को सुदृढ़ एवं वैज्ञानिक बनाने के लिए S C E R T में हिन्दी विशेषज्ञों का एक विभाग खोलना चाहिए।			
(143) 8 वीं कक्षा के बालकों को हिन्दी के वातावरण से परिचय कराना चाहिए ।			
(144) कक्षा में क्रमानुसार प्रत्यक्ष पद्धति का प्रयोग करना चाहिए ।			
(145) प्रारम्भिक कक्षाओं में पढ़ाने वाले हिन्दी अध्यापकों को छात्रों को हिन्दी का आधार-भूत ज्ञान देना चाहिए ।			
(146) 8 वीं कक्षा की सभी समस्याओं को दृष्टि में रख कर एक नवीन शिक्षण पद्धति की खोज करना चाहिए।			
(147) पाठ को रोचक बना कर बालकों को स्पष्ट ज्ञान देने के लिए सहायक सामग्री की अत्यन्त आवश्यकता है ।			
(148) 8 वीं कक्षा को हिन्दी पढ़ाते समय अध्यापक को चाहिए कि वह हिन्दी माध्यम से ही पढ़ाए ।			
(149) 8 वीं कक्षा के छात्रों को हिन्दी ध्वनियों से परिचय करा कर उन्हें सस्वर वाचन का अभ्यास कराना चाहिए ।			

भाग (स)

निर्देश : कृपया अपनी सम्मति इस चिह्न (√) के द्वारा प्रकट करें ।

	हाँ	नहीं	संदिग्ध
(111) जब तक हिन्दीतर भाषा-भाषी हिन्दी को अनिवार्य रूप से सीखेंगे तब तक हिन्दी को राष्ट्रभाषा का सही स्थान प्राप्त नहीं होगा ।			
(112) हिन्दी सम्पर्क-भाषा के रूप में तब तक व्यवहृत नहीं होगी जब तक उसे कार्यालयों में अनिवार्य भाषा के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा ।			
(113) सरकार को "त्रिभाषा सूत्र" के सही पालन पर ध्यान देना चाहिए ।			
(114) आंध्र प्रदेश सरकार हिन्दी को सही स्थान देना चाहिए और सभी स्तरों पर इसको अनिवार्य विषय बनाना चाहिए ।			
(115) हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार करने की जिम्मेदारी प्रांतीय सरकार पर होनी चाहिए ।....			
(116) नौकरी देते समय हिन्दी योग्यता को विशेष योग्यता के रूप में लेना चाहिए ।			
(117) छात्रों को हिन्दी सिखाने के लिए सही वातावरण बनाना चाहिए ।			
(118) हिन्दी में उत्तीर्ण होना आवश्यक माना जाए ।			
(119) द्वितीय भाषा हिन्दी के उत्तीर्णांक अन्य विषयों के समान हो ।			
(120) हिन्दी के वातावरण को बनाये रखने लिए हिन्दी अध्यापक कक्षा में हिन्दी माध्यम से ही पढ़ायें ।			
(121) तेलुगु के साथ साथ आंध्र प्रदेश में हिन्दी को अनिवार्य विषय बनाना आवश्यक है ।....			
(122) प्रारम्भिक कक्षाओं में व्यावहारिक हिन्दी शिक्षण पर अधिक ध्यान देना चाहिए ।....			
(123) भाषा अध्ययन के लिए निरंतर अभ्यास की आवश्यता होती है । इसलिए हिन्दी शिक्षण के लिए सप्ताह में 6 घंटों का शिक्षण देना चाहिए ।			
(124) प्रत्येक हाईस्कूल में एक सीनियर हिन्दी पंडित और माध्यमिक स्कूल के लिए जूनियर हिन्दी पंडितों की नियुक्ति होनी चाहिए ।			
(125) तेलंगाना प्रान्त के समान आंध्र प्रान्त में भी हिन्दी शिक्षण 5 वीं कक्षा से प्रारम्भ करना चाहिए ।			
(126) हिन्दी कक्षा में छात्रों की संख्य 35 से अधिक न हो ।			
(127) द्वितीय-भाषा हिन्दी का पाठ्यक्रम का निर्माण अनुभवी अध्यापकों की सहायता से होना चाहिए ।			
(128) पाठ्यक्रम 8 वीं कक्षा के छात्रों के मानसिक-स्तर के अनुरूप होना चाहिए ।			
(129) पाठ्यक्रम के निर्माण में स्थानीय पुट को महत्व देना चाहिए ।			
(130) पाठ्यक्रम के निर्माण में भाषागत सभी कौशलों पर ध्यान देना चाहिए ।			

BOOK-POST

Printed Matter

To,

Sri/Smt...

....

....

....

BOOK-POST

Printed Matter

To,

Sri P. Chinnappa

Research Scholar

1-19-45/10, Rasoolpura

Secunderabad-500 003.

(A. P.)

3 ~~III.~~ अर्थ समझाओ —

दादा ने चन्दा दिखलाया, अर्थ— ....

नेत्र-नीर द्रुत दमक उठे। ....

धुली हुई मुसकान देखकर, ...

सबके चेहरे चमक उठे। ....

4 ~~IV.~~ (अ) शुद्ध वाक्य के ऊपर यह चिह्न (√) लगाइये।

(1) मेरी कलम मेज़ के ऊपर है / मेरी कलम मेज़ पर है।

(2) राम ने रोटी खायी / राम ने रोटी खाया।

(3) मुझे तीन भाई हैं / मुझको तीन भाइयाँ हैं।

(4) गुंटूर से हैदराबाद कितना दूर है / गुंटूर को हैदराबाद कितना दूर है।

(5) यह घड़ी कितना अच्छा है / यह घड़ी कितनी अच्छी है।

(आ) वचन बदलो—पौधा..................., सभा..................., मीनार..................., घण्टी..................., घड़ी...................

(इ) विपरीत अर्थ वाले शब्द लिखो—

प्राचीन × ...., खोलना × ...., सफलता × ...., प्रसन्न × ....

(ई) शुद्ध उच्चरित शब्द के सामने यह चिह्न (√) लगाइये।

(1) रतन / रत्त / रत्न / रनत

(2) उत्सह / उत्साह / उतसाह / अत्साहा

(3) आरोयग / आरोगय / आरोग्य / आरोगृह

(4) लट्टू / लठ्टू / लट्‌टू / लट्टु

(उ) नीचे दिये गये शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

(1) अभिलाषा...

(2) भाषण...

(3) विचार...

(4) उपन्यास...

(5) उपाधि...

5 ~~V.~~ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(1) हैदराबाद आन्ध्रप्रदेश की...................है।

(2) गावों में...................लोग...................रहते हैं।

(3) मैथिलीशरण गुप्त हिन्दी के...................थे।

(4) मोल करो...................का, पड़ी रहने दो...................।

6 ~~VI.~~ 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए।

(1) सीता का पता सुग्रीव ने लगाया। ( )

(2) अशोक ने जैन-धर्म को स्वीकार किया। ( )

(3) आकाश गंगा उत्तर भारत में है। ( )

(4) गाँधीजी ने कानून तोड़कर नमक बनाया। ( )

7 ~~VII.~~ हिन्दी में अनुवाद करो—

ఇది నా దేశం. ....

నేను నా దేశమును ప్రేమింతును. ....

దేశము పట్ల ప్రేమను కలిగియుండువాడే దేశభక్తుడు. ....

దేశము తల్లి వంటిది. ....

తల్లిని గౌరవించినట్లే దేశమును గౌరవించవలెను. ....